रॉबिन्स की परिभाषा की विशेषताएँ :-

उनकी परिभाषा की निम्नांकित प्रमुख विशेषताएँ है।

1. रॉबिन्स की परिभाषा अर्थशास्त्र के क्षेत्र में व्यापक बनाती है। उन्होंने स्पष्टत: यह बताया है कि आवश्यकताओं की व्यापकता तथा साधनों की सीमितता के कारण यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है तो वह निश्चित रूप से आर्थिक होगा, जिसका अध्ययन हम अर्थशास्त्र में करते हैं। यह समस्या व्यक्ति की हो या समाज की, हम इसका अध्ययन अर्थशास्त्र में करते हैं।

2. अर्थशास्त्र मानव-व्यवहार का अध्ययन है। इसमें सिर्फ आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन नहीं किया जाता है बल्कि गैर-आर्थिक क्रियाओं का भी अध्ययन किया जाता है। साधनों की सीमितता के कारण चुनाव करते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखा जाता है कि उनके द्वारा अधिकतम

Scanned with CamScanner

संतुष्टि कैसे प्राप्त की जा सकती है।

3. रॉबिन्स की परिभाषा भौतिक कल्याण के उद्देश्यों से मुक्त है। उन्होंने भौतिक तथा अभौतिक का वर्गीकरण नहीं किया है। उनके अनुसार अच्छे या बुरे का अध्ययन अर्थशास्त्र की विषयवस्तु नहीं है। अर्थशास्त्री उन परिस्थितियों का अध्ययन करता है जिनमें उद्देश्य अनेक तथा साधन सीमित होते हैं।

4. अर्थशास्त्री एक वास्तविक विज्ञान है। इसमें क्या है का अध्ययन किया जाता है। इसमें जो तथ्य जिस रूप में है उनकी उसी रूप में व्याख्या की जाती है, उनके बीच कार्य-कारण संबंध स्थापित किया जाता है। अर्थशास्त्र का संबंध क्या होना चाहिए से नहीं होता। अतः रॉबिन्स के अनुसार अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ रहता है।

## रॉबिन्स की परिभाषा की आलोचनाएँ:—

प्रो० रॉबिन्स द्वारा दी गई परिभाषा की भी अनेक आलोचनाएँ दी जाती हैं, जिनमें निम्नांकित प्रमुख हैं।

1. अर्थशास्त्र का क्षेत्र आवश्यकता से अधिक व्यापक बन जाता है:—

प्रो० रॉबिन्स की परिभाषा के अंतर्गत लगभग सभी सामाजिक विषय आ जाते हैं, जिसके कारण अर्थशास्त्र का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक बन जाता है। सीमितता की समस्या सब जगह है। उनकी परिभाषा के कारण अर्थशास्त्र का क्षेत्र अत्यंत व्यापक बन जाता है तथा अर्थशास्त्र एक अव्यवस्थित विज्ञान हो जाता है।

2. अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ नहीं रह सकता:—

रॉबिन्स अर्थशास्त्र को एक विशुद्ध यथार्थवादी विज्ञान मानते हैं। उनके अनुसार अर्थशास्त्र का संबंध साधनों से है, उद्देश्य उसके क्षेत्र से बाहर हैं। लेकिन अर्थशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है। इसे उद्देश्यों से बिलकुल अलग नहीं रखा जा सकता। यह यथार्थवादी विज्ञान के साथ-साथ आदर्शवादी विज्ञान भी है। इसे उद्देश्यों के बीच पूर्णतः तटस्थ नहीं रखा जा सकता। समाज के लिए क्या बेहतर

Scanned with CamScanner

है, क्या होना चाहिए का भी अध्ययन हम अर्थशास्त्र में करते है।

3. परिभाषा की जटिलता :— रॉबिन्स की परिभाषा में सरलता का अभाव है। उनकी परिभाषा जटिल है। सामान्य लोग इस जटिलता के कारण उनकी परिभाषा को नहीं समझ पाते।

4. कल्याणवादी धारणा स्वीकार्य :— उन्होंने अपनी परिभाषा में सीमित साधनों के द्वारा अधिकतम लाभ एवं कल्याण की बात की है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने भी मार्शल की आर्थिक कल्याण - संबंधी धारणा को ज्यों - का - त्यों स्वीकार कर लिया है।

5. अर्थशास्त्र को केवल वास्तविक विज्ञान मानना अनुचित :— यदि अर्थशास्त्र को केवल वास्तविक विज्ञान मान लिया जाए तो यह मात्र सिद्धांत बनानेवाला शास्त्र रह जाता है। लेकिन अर्थशास्त्र में हम व्यवहारिक समस्याओं के समाधान की भी बात करते हैं तथा समाधान का रास्ता बनाते हैं। श्रीमती बारबरा वूटन ने ठीक ही कहा है, "अर्थशास्त्रियों के लिए यह बहुत ही कठिन कार्य है कि वे अपनी विवेचना में नैतिकता का लेशमात्र भी पुट न रहने दें।" यदि अर्थशास्त्र तटस्थ नीति अपनाए तो उसकी व्यवहारिक उपयोगिता समाप्त हो जाएगी।

Scanned with CamScanner